व्हीपीपीएल द्वारा वाढवण के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कौशल (विकास) कार्यक्रम किया शुरू ...

मुंबई, 16 दिसंबर, 2024: भारत के 13वें प्रमुख पत्तन वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड (व्हीपीपीएल) ने सोमवार, 16 दिसंबर, 2024 को वाढवण के युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के उद्देश्य से वाढवण पत्तन कौशल कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। कार्यक्रम की शुरुआत जनेप प्राधिकरण (वाप परियोजना लि. में प्रमुख हितधारकों में से एक) और नौवहन महानिदेशालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ हुई, ताकि चुनिंदा समुद्री प्रशिक्षण संस्थानों (एमटीआयएस) के माध्यम से वाढवण क्षेत्र में स्थानीय लोगों और परियोजना प्रभावित लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उद्देश्य वाढवण पत्तन क्षेत्र के स्थानीय उम्मीदवारों को जीपी रेटिंग में मान्यता प्राप्त समुद्री योग्यता और समुद्री केटरिंग में प्रमाण पत्र प्रदान करके उन्हें नाविक के रूप में करियर बनाने में सक्षम बनाना है। प्रति उम्मीदवार 2-3 लाख रुपये की अनुमानित लागत के साथ, जनेप प्राधिकरण के सीएसआर फंडिंग के माध्यम से समर्थित, इस पहल में प्रशिक्षण शुल्क, आवास और भोजन व्यवस्था सम्मिलित है। नौवहन महानिदेशालय और समुद्री प्रशिक्षण संस्थानों (एमटीआईएस) के साथ सहयोग करते हुए यह कार्यक्रम भारत के बढ़ते समुद्री कार्यबल में योगदान करते हुए समुद्री क्षेत्र में स्थायी कैरियर मार्ग बनाने के लिए शिपबोर्ड अनुभव सहित उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण को सुनिश्चित करता है।

डाई-मेकर्स एसोसिएशन को उनके विज्ञापन और प्रचार सामग्री के लिए प्रमुख प्रदर्शनी स्थान के आवंटन सहित विभिन्न साधनों के माध्यम से विशेष ब्रांडिंग के अवसर प्रदान करने के लिए वाढवण में वाप परियोजना लि. और डाई मेकर्स एसोसिएशन के बीच एक अन्य समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। वाप परियोजना लि. जिन प्रमुख कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों में भाग लेगी वहां पर ये अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे एसोशिएशन का उद्योग के भीतर दृश्यता और जुड़ाव सुनिश्चित होगा।

डाई निर्माताओं का समर्थन करने के लिए, जनेप प्राधिकरण ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से, रियायती ब्याज दर और एक आकर्षक ब्याज अनुदान योजना के साथ एक क्लस्टर-विशिष्ट योजना का प्रस्ताव किया है, ताकि कारीगरों को बेहतर मशीनरी में निवेश करने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने में सक्षम बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए स्वचालन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोकैड और सीएनसी मशीनों जैसे उन्नत उपकरणों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्नयन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ब्रांडिंग और प्रत्यक्ष बाजार संपर्कों के लिए मंच बनाकर, बिचौलियों पर निर्भरता को कम करके और वैश्विक अवसरों को खोल कर बाजार पहुंच में सुधार करने के प्रयास भी किए जाएंगे। सामाजिक सुरक्षा उपायों में शिक्षा कार्यक्रम, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं और व्यापक बीमा योजनाएं-आकस्मिक, अवधि और स्वास्थ्य कवरेज-एक ट्रिपल बीमा लाभ

योजना के तहत जनेप प्राधिकरण द्वारा पूरी तरह से वहन किए जाने वाले प्रीमियम शामिल हैं। इसके अलावा, निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए सड़क संपर्क बढ़ाने और लगातार बिजली आपूर्ति के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस कार्यक्रम के तहत पहली पहल, 'कस्टम्स डॉक्यूमेंटेशन के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम,' शुरू की गई है, जो स्थानीय युवाओं के बीच रोजगार के लिए तैयार होने की क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम के लिए पत्र बीसीबीए - बृहन्मुंबई कस्टम ब्रोकर्स एसोसिएशन को सौंपा गया है। पात्र छात्रों को आगे इंटर्नशिप के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे।

इस पहल के बारे में बोलते हुए, वाप परियोजना लि. के प्रबंध निदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से.,ने कहा, “महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर और वाढवण पत्तन कौशल कार्यक्रम की शुरुआत समावेशी विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। युवाओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार कौशल देने से लेकर डाई निर्माताओं को ब्रांडिंग, वित्त और उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने तक के ये कार्यक्रम वाढवण क्षेत्र में दीर्घकालिक रोजगार की संभावनाओं को स्थापित करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हमारे समर्पण को प्रदर्शित करते हैं। जहां सभी के लिए अवसर उपलब्ध हों और विकास साझा हो, ऐसे भविष्य का निर्माण करना हमारा अंतिम लक्ष्य है।”

यह पहल प्रभावी रूप से वाढवण के युवाओं तक पहुंचे यह सुनिश्चित करने के लिए पहले ही जनेप प्राधिकरण ने माननीय पत्तन,पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री की उपस्थिति में एक समर्पित व्हाट्सएप चैटबॉट लॉन्च किया था। इस संवादात्मक उपकरण को वाढवन पत्तन कौशल (विकास) कार्यक्रम के बारे में व्यापक जानकारी और वाढवण पत्तन के बारे में अपडेट प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।12 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने की क्षमता के साथ, यह महत्वपूर्ण परियोजना सामुदायिक विकास और आर्थिक उत्थान के लिए जनेप प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

कौशल कार्यक्रम में 18 विविध पाठ्यक्रम शामिल हैं, जिसमें प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण के अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों के लिए अपनी प्राथमिकताओं को इंगित करने के लिए अतिरिक्त विकल्प हैं। यह समावेशी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि कार्यक्रम व्यापक जनसांख्यिकी की आकांक्षाओं और कैरियर लक्ष्यों को पूरा करता है।

जनेप प्राधिकरण और वाप परियोजना लि. डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर करेंगे, ताकि वाढवण पत्तन परियोजना और उसके आसपास के हरित क्षेत्र एवं स्थानीय लोगों के लिए कल्याणकारी गतिविधियों के एक हिस्से के रूप में पालघर जिले के डहाणू `के चयनित गांवों के लिए एक एकीकृत कृषि और उद्यान कृषि योजना विकसित और कार्यान्वित की जा सके।

वाढवण बंदर
VADHVAN
PORT
VADHVAN PORT PROJECT LTD.
PORT OF VIKSIT BHARAT

इसके अलावा, मछुआरों की क्षतिपूर्ति नीति को महाराष्ट्र सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप मछुआरा समुदाय का समर्थन करने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा, दो मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों के निर्माण के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मछुआरों की क्षतिपूर्ति नीति बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ समुदाय के कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में भारी वाहन चलाने और यांत्रिकी के लिए प्रशिक्षण भी जारी है। इस पहल के हिस्से के रूप में, कुशल चालक कठोर प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं, अपने लाइसेंस अर्जित कर रहे हैं और स्थानीय नौकरी के अवसरों को सुरक्षित कर रहे हैं।

जैसे-जैसे वाढवण पत्तन विश्व स्तरीय बंदरगाह बनने के अपने दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे वाप परियोजना लि. वाढवण पत्तन कौशल कार्यक्रम जैसी नवीन पहलों के माध्यम से सामुदायिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है।

वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड. (व्हीपीपीएल) के बारे में:

महाराष्ट्र के डहाणू के पास, पालघर जिले में स्थित, वाढवन पत्तन भारत का 13वां प्रमुख और सबसे बड़ा कंटेनर पत्तन बनने के लिए तैयार है। इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से निर्मित टर्मिनलों के साथ एक भूस्वामी मॉडल के तहत विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना को दो चरणों में निर्माण के साथ 19 जून, 2024 को कैबिनेट की मंजूरी मिली।

रणनीतिक रूप से प्रमुख भीतरी इलाकों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी के साथ स्थित पत्तन का हर मौसम में डिजाइन और प्रचालन योग्य गहराई इसे सागरमाला पहल के तहत भारत की समुद्री अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बनाता है।

वाढवण पत्तन स्थापना के बाद से अपने संचालन में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल कार्य प्रणाली को शामिल करते हुए 100% हरित पत्तन बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

मीडिया प्रश्नों के लिए, संपर्क करें:
अंबिका सिंह
डीजीएम (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस एंड ट्रेनिंग) वाढवन पत्तन परियोजना लिमिटेड
मोबाईल : +919920372677
ईमेल : ambikasingh@jnport.gov.in